वन क्षेत्रफल

प्रदेश के वन क्षेत्र को मुख्यतः आरक्षित, संरक्षित व अवर्गीकृत क्षेत्रों के अन्तर्गत विभाजित किया गया है। यह वे क्षेत्र हैं, जो वन विभाग के अधीन हैं। इसके अतिरिक्त वनों के वैज्ञानिक प्रबन्धन के उद्देश्य से पंचायती क्षेत्र, निजी वन, नगर पालिका, कैन्ट तथा अन्य क्षेत्र के वन भी जो वन की परिभाषा से परिभाषित हैं, आदि क्षेत्र के वनों को सम्मिलित करते हुए कुल वन क्षेत्र की गणना की गयी है, जिसके अन्तर्गत वर्तमान में कुल 1658153 हे0 क्षेत्र वनाच्छादित है। इन क्षेत्रों का जोन/मण्डलवार विवरण निम्न तालिका में दिया जा रहा हैः–

क्र0 सं0	जोन/ मण्डल	आरक्षित (हे0)	संरक्षित (हे0)	अवर्गीकृत (हे0)	पंचायती वन (हे0)	निजी वन (हे0)	नगर पालिका/ कैण्ट वन (हे0)	अन्य वन (हे0)	कुल
1	2	4	5	6	7	8	9	10	11
1	लखनऊ मण्डल	84328	1951	46821	0	513	2	1033	134648
2	मध्य क्षेत्र, लखनऊ	49489	3342	7809	0	0	0	0	60640
3	कानपुर मण्डल	19834	1241	24893	0	0	0	0	45968
4	बुन्देलखण्ड क्षेत्र, झांसी	172883	11609	43340	3740	239	0	739	232550
5	दक्षिण क्षेत्र, इलाहाबाद	20389	1124	8553	20	0	0	187	30273
6	मिर्जापुर मण्डल	182909	81235	128967	0	0	0	269	393380
7	गोरखपुर मण्डल	15659	335	288	0	216	0	1	16499
8	पूर्वी क्षेत्र, गोरखपुर	3480	1767	4629	0	0	0	0	9876
9	पश्चिमी क्षेत्र, मेरठ	52327	3276	17308	0	0	1037	52	74000
10	आगरा मण्डल	26366	3929	10783	0	0	0	0	41078
11	रूहेलखण्ड क्षेत्र, बरेली	145503	970	9257	0	0	0	0	155730
12	प्र0व0सं0 वन्य जीव, लखनऊ	433918	4938	24535	0	60	0	60	463511
कुल		**1207085**	**115717**	**327183**	**3760**	**1028**	**1039**	**2341**	**1658153**

वृक्षारोपण

यह सर्वविदित है कि पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिकाधिक वृक्षारोपण कर पहले से विद्यमान वनों का सघनीकरण करना तथा खाली पड़ी जमीन में वृक्षारोपण कर नये वन क्षेत्र का विकास करना वन विभाग के लिए महत्वपूर्ण कार्यों में से एक है। इस उद्देश्य की प्राप्ति हेतु प्रत्येक वर्ष वन विभाग के अधीन उपलब्ध वन भूमि में तथा सामुदायिक क्षेत्र की भूमि में विभिन्न प्रजातियों के वृक्षारोपण का लक्ष्य निर्धारित कर उसे प्राप्त किया जाता है। यद्यपि इन क्षेत्रों में पौधों का चयन, मृदा की गुणवत्ता व क्षेत्र विशेष में जलस्तर एवं जलभराव आदि की स्थिति के अनुसार प्रजातियों का चयन किया जाता है ताकि रोपित पौधों की उत्तर प्रतिशतता मानक के अनुरूप प्राप्त हो सके। प्रयास यह रहता है कि इमारती प्रकाष्ठ, कोमल प्रकाष्ठ, औद्योगिक प्रकाष्ठ एवं फल–फूल आदि प्रजातियों के वृक्षारोपण का कार्य इस व्यवस्था को दृष्टिगत करते हुए किया जाता है ताकि इनकी उपलब्धता का चक्र अनियमित/खण्डित न हो सके। यहाँ पर इसी क्रम में वर्ष 2013–14 में वन क्षेत्र व सामुदायिक क्षेत्र में किये गये वृक्षारोपण का जोन/मण्डलवार विवरण अधोलिखित तालिका में दिया गया है। जबकि इनका जनपदवार विवरण परिशिष्ट 2.1 के अन्तर्गत दर्शाया गया है।

क्रम संख्या	जोन/मण्डल	विभागीय		सा0वा0/सामू0		कुल	
		क्षेत्रफल (हे0)	रोपित पौध (लाख में)	क्षेत्रफल (हे0)	रोपित पौध (लाख में)	क्षेत्रफल (हे0)	रोपित पौध (लाख में)
1	2	3	4	5	6	7	8
1	लखनऊ मण्डल	4645.14	39.23	555.99	3.87	5201.13	43.10
2	मध्य क्षेत्र, लखनऊ	5478.61	50.73	1432.89	15.30	6911.5	66.03
3	कानपुर मण्डल	1454.71	13.93	281.14	1.69	1735.85	15.62
4	बुन्देलखण्ड क्षेत्र, झांसी	7657.76	54.98	174.60	0.82	7832.36	55.80
5	दक्षिणी क्षेत्र, इलाहाबाद	1870.87	13.43	1101.24	10.80	2972.11	24.23
6	मिर्जापुर मण्डल	16140.46	105.54	0.00	0.00	16140.46	105.54
7	गोरखपुर मण्डल	814.01	8.68	475.92	4.97	1289.93	13.65
8	पूर्वी क्षेत्र, गोरखपुर	1106.93	8.78	1047.28	8.92	2154.21	17.70
9	पश्चिमी क्षेत्र, मेरठ	1698.40	12.25	63.21	0.49	1761.61	12.74
10	आगरा मण्डल	2332.54	24.31	618.45	6.81	2950.99	31.12
11	रूहेलखण्ड क्षेत्र, बरेली	3581.90	36.66	268.00	2.09	3849.9	38.75
12	प्र0व0सं0 वन्य जीव, लखनऊ	3669.34	27.27	5.00	0.03	3674.34	27.30
कुल		50450.67	395.79	6023.72	55.79	56474.39	451.58

विभाग द्वारा जहाँ एक ओर वनभूमि पर विभिन्न प्रजातियों के करोड़ों वृक्षों के रोपण का कार्य किया जाता है, वहीं दूसरी ओर निजी सामुदायिक भूमि पर भी किए जाने वाले वृक्षारोपण के पौधों की आपूर्ति सुनिश्चित किए जाने का दायित्व वन विभाग का ही होता है। इतने व्यापक स्तर के वृक्षारोपण कार्य की सफलता हेतु यह आवश्यक है कि रोपित किए जाने वाले विकसित व स्वस्थ पौधों की उपलब्धता लक्ष्य के अनुरूप सुनिश्चित रहे। इस उद्देश्य की प्राप्ति हेतु विभागीय स्तर पर स्थापित पौधालयों का एक सुदृढ़ ढ़ांचा विद्यमान है, जिसके माध्यम से प्रत्येक वर्ष रोपित किये गये जाने वाले पौधों की उपलब्धता सुनिश्चित किये जाने में विभाग सफल रहा है। यही नहीं, निजी क्षेत्रों में भी पौधालय स्थापित हैं। जिनमें किसान पौधालय प्रमुख रूप से उल्लेखनीय है। आवश्यकता पड़ने पर वृक्षारोपण हेतु पौध की आपूर्ति इन निजी पौधालयों से भी कर ली जाती है। इस सम्बन्ध में पूरे प्रदेश में विभाग के कुल 1621.04 हे0 क्षेत्रफल में 1647 पौधालय स्थापित हैं, जिनमें पौध उगाने की क्षमता 1672.32 लाख है। इसी प्रकार कुल 204.30 हे0 क्षेत्र में 264 किसान पौधालय स्थापित हैं जिनमें 258.49 लाख पौध उगाने की क्षमता है।

इसके अतिरिक्त अन्य क्षेत्र के पौधालयों के अन्तर्गत कुल 109.40 लाख पौध उगाने वाले पौधालय स्थापित है। इन पौधालयों का जोन/मण्डलवार विवरण निम्न तालिका में दर्शाया गया है:–

क्र0 सं0	जोन/ मण्डल	विभागीय		स्कूल		किसान		अन्य		कुल	
		पौधालय की सं0	वर्ष में उपलब्ध कुल पौध (लाख में)	पौधालय की सं0	वर्ष में उपलब्ध कुल पौध (लाख में)	पौधालय की सं0	वर्ष में उपलब्ध कुल पौध (लाख में)	पौधालय की सं0	वर्ष में उपलब्ध कुल पौध (लाख में)	पौधालय की सं0	वर्ष में उपलब्ध कुल पौध (लाख में)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
1	लखनऊ मण्डल	131	128.45	0	0.00	48	31.68	75	36.22	254	196.35
2	मध्य क्षेत्र लखनऊ	139	144.06	0	0.00	88	167.25	14	11.38	241	322.69
3	कानपुर मण्डल	61	49.50	0	0.00	8	3.98	1	1.20	70	54.68
4	बुन्देलखण्ड जोन, झांसी	124	115.12	0	0.00	1	1.05	14	24.32	139	140.49
5	दक्षिणी क्षेत्र, इलाहाबाद	121	65.92	0	0.00	22	5.31	7	0.69	150	71.92
6	मिर्जापुर मण्डल	57	77.84	0	0.00	0	0.00	0	0.00	57	77.84
7	गोरखपुर मण्डल	80	72.30	1	1.00	27	12.88	6	5.88	114	92.06
8	पूर्वी क्षेत्र गोरखपुर	134	81.31	0	0.00	6	0.07	6	1.28	146	82.66
9	पश्चिमी क्षेत्र मेरठ	45	40.59	0	0.00	14	3.07	36	12.83	95	56.49
10	आगरा मण्डल	97	69.02	0	0.00	4	0.00	28	12.55	129	81.57
11	रूहेलखण्ड क्षेत्र बरेली	131	105.36	0	0.00	42	71.00	26	18.81	199	195.17
12	प्र0व0सं0 वन्य जीव, लखनऊ	48	28.41	0	0.00	4	0.00	1	1.50	53	29.91
	कुल	**1168**	**977.88**	**1**	**1.00**	**264**	**296.29**	**214**	**126.66**	**1647**	**1401.83**

वनोपज

वन उपज को मुख्यतः मुख्य वनोपज एवं गौण वनोपज के अन्तर्गत वर्गीकृत किया जाता है। गौण वन उपज के अन्तर्गत मुख्यतः बाँस, तेन्दूपत्ता, भाभड़ घास, बेंत, गोंद, महुआ, जड़ी–बूटी, शहद व मोम, साल बीज, खैर गिल्टा, बोल्डर व बजरी आदि आते हैं। विभागीय स्तर पर इनके संवर्धन पर निरन्तर बल दिया जाता है तथा गौड़ वन उपज का भी वन राजस्व की प्राप्ति में व्यापक योगदान है। यहाँ यह सर्वविदित हो कि विशिष्ट महत्व की बाँस, तेन्दू पत्ता, भाभड़ घास, साल बीज आदि ऐसी गौण वन प्रजातियाँ हैं जो विशिष्ट वन क्षेत्रों में पायी जाती हैं। यहाँ पर इन वन उपजों के वर्ष 2013–14 में उत्पादन का जोन/मण्डलवार विवरण निम्न तालिका में दिया जा रहा है, जबकि जनपदवार/प्रभागवार विवरण परिशिष्ट 3.1 के अन्तर्गत दर्शाया गया है।

क0 सं0	जोन/मण्डल	मुख्य वनोपज									
		विभागीय		केता/वन निगम		अधिकार एवं रियायत प्राप्त		निःशुल्क		कुल	
		प्रकाष्ठ (गोल घ0मी0)	जलौनी (घ0मी0 चठ्ठा)	प्रकाष्ठ (गोल घ0मी0)	जलौनी (घ0मी0 चठ्ठा)	प्रकाष्ठ (गोल घ0मी0)	जलौनी (घ0मी0 चठ्ठा)	प्रकाष्ठ (गोल घ0मी0)	जलौनी (घ0मी0 चठ्ठा)	प्रकाष्ठ (गोल घ0मी0)	जलौनी (घ0मी0 चठ्ठा)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
1	लखनऊ मण्डल	0	0	51677	12	0	0	0	0	51677	12
2	मध्य क्षेत्र, लखनऊ	0	0	56754	0	0	0	0	0	56754	0
3	कानपुर मण्डल	0	0	14312	0	0	0	0	0	14312	0
4	बुन्देलखण्ड क्षेत्र, झांसी	0	0	4581	26	0	289	0	0	4581	315
5	दक्षिणी क्षेत्र, इलाहाबाद	252	0	9629	0	0	0	0	0	9881	0
6	मिर्जापुर मण्डल	0	0	4484	0	0	0	0	0	4484	0
7	गोरखपुर मण्डल	618	83	6871	0	0	0	14	764	7503	847
8	पूर्वी क्षेत्र, गोरखपुर	0	0	7616	0	0	0	0	0	7616	0
9	पश्चिमी क्षेत्र, मेरठ	0	0	10541	0	0	0	0	0	10541	0
10	आगरा मण्डल	0	0	17579	0	0	0	0	89	17579	89
11	रूहेलखण्ड क्षेत्र, बरेली	41	0	78430	626	0	0	0	0	78471	626
12	प्र0व0सं0वन्य जीव, लखनऊ	0	0	5133	158	0	0	0	0	5133	158
कुल		**911**	**83**	**267607**	**822**	**0**	**289**	**14**	**853**	**268532**	**2047**